Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 9107

PAPER – III

PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

पाइय

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

पण्हपत्तं – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

All questions should be answer in Prakrit.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

सभी प्रश्नों के उत्तर प्राकृत में दें।

नोट : इमं पण्हपत्तं दु-सयाणं (200) अंकाणं अत्थि, यो चउभागे विभाज्जिदो अत्थि। तम्हि समाहिदाणं पण्हाणं उत्तरं जहाणियमाणुसारेण हि अब्भत्थिणो लिहिदव्वं।

सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें। **(5x5=25 अंक)**

नोट : अम्हि खंडे णिम्मलिहिदे अणुच्छेदे पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगपण्हस्स उत्तरं तिंसदी (30) सद्दे अपेक्खिदमत्थि। पत्तेगं पण्हं पंचाणं अंकाणं अत्थि। सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं। **(5x5=25 अंका)**

जमिणं विरूवरूवेहिं सत्थेहिं वणस्सइ-कम्म-समारंभेणं वणस्सइ-सत्थं समारंभमाणे अण्णे वणेगरूवे पाणे विहिंसति।

तत्थ खलु भगवया परिण्णा पवेदिता। इमस्स चेव जीवियस्स, परिवंदण-माणण-पूयणाए, जाती-मरण-मोयणाए, दुक्खपडिघायहेउं से सयमेव वणस्सइ-सत्थं समारंभइ, अण्णेहिं वा वणस्सइ-सत्थं समारंभावेइ, अण्णे वा वणस्सइ-सत्थं समारंभमाणे समणुजाणई। तं से अहियाए, तं से अबोहीए।

1. Write a note in thirty words on the language of the above passage.
उपर्युक्त अनुच्छेद की भाषा पर लगभग तीस शब्दों में टिप्पणी लिखिये।
उवरि उत्तस्स अनुच्छेदस्स भासोवरि तिंसदि सद्दे एवं टिप्पणं लिह।

2. Introduce the canon from which the above passage is quoted.
उपर्युक्त अनुच्छेद किस आगम से उद्धृत है? उल्लेख कीजिये।
उवरि उत्तं अणुच्छेदं किमत्तो आगमत्तो उद्धरितो त्ति उल्लेखं कर।

3. Translate in Hindi or English language the ***underlined portion.***
रेखांकित अंश का हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में अनुवाद कीजिये।
रेखांकिद-अंसस्स हिन्दी अहवा आंग्ल भासम्हि अणुवादं कर।

4. What are the ***three karanas*** mentioned in this passage ?

इस गद्यांश में किन ***तीन करणों*** का उल्लेख हुआ है?

अम्हि गज्जंसे का-ति-करणं कहिदं।

5. According to the above text what consequences are to be faced if one-sensed living beings are killed ?

उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार एकेन्द्रिय जीवों की हिंसा करने वाले को क्या परिणाम भोगना पड़ता है?

उपरि उत्तस्स गज्जंसस्स अणुसारं एगिंदियाणं जीवाणं हिंसाहिंतो को परिणामो होदि।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

नोट : अम्हि खंडे पंच-पंच (5-5) अंकाणं पंचदहा (15) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण तिंसदि (30) सद्देसु अवेक्खिदमत्थि।

(5x15=75 अंका)

6. Enumerate the basic difference between ***Shouraseni Prakrit*** and ***Maharashtri Prakrit***.

शौरसेनी प्राकृत और महाराष्ट्री प्राकृत में प्रमुख अन्तर बताइये।

सोरसेणी पाइय तह महरट्टी पाइय-भासाए अंतरं लिह।

7. Define ***'<u>Sattaka</u>'***.

'सट्टक' की परिभाषा लिखिये।

'सट्टगस्स' परिभासा लिह।

8. Introduce any one of the Lexicons in Prakrit.

प्राकृत कोष-ग्रन्थों में से किसी एक का परिचय दीजिये।

पाइयकोसगंथेसु कमवि एगस्स परिचयं लेहितव्वं।

9. Write a note on one the consonants of Prakrit.

प्राकृत के व्यञ्जनों पर एक टिप्पणी लिखिये।

पाइयवंजणाणामोवरि एगा टिप्पणी लिह।

10. Disjoin the sandhi (sandhi-viccheda) of the following :

निम्नलिखित का संधि-विच्छेद कीजिये :

अहोलिहिताणं संधि-विच्छेदं कर :

(i) जीवाजीव (ii) नरेसर

11. Make the compound form of the following :

निम्नलिखित के समस्त पद बनाइये :

णिम्मलिहितस्स समत्त-पदं लिह :

(i) जिणेण सरिसो (ii) महंतो सो वीरो

12. Define ***'svarabhakti'*** (anaptix).

'***स्वरभक्ति***' की परिभाषा लिखिये।

स्वरभत्तिस्स परिभासा लिह।

13. Describe 'Dravyārthika Naya' according to Sanmatitarkaprakarana of Siddhasena.
सिद्धसेन विरचित सन्मतितर्कप्रकरण के आधार पर द्रव्यार्थिक-नय का निरूपण कीजिये।
सिद्धसेणविइययस्स सन्मतितर्कप्रकरणस्स आधारे द्रव्यार्थिकनयस्स णिरुवणं कादव्वं।

14. उवओगो दुवियप्पो दंसण-णाणं च दंसणं चदुधा।
चक्खु अचक्खू ओही दंसणमध केवलं णेयं।।
Translate the above verse.
उपर्युक्त गाथा का अनुवाद कीजिये।
उपरि उत्तस्स गाथाअ अणुवादं कर।

15. Give two examples of ***'taddhita'*** in Prakrit language.

प्राकृत भाषा में तद्धित के कोई दो उदाहरण दीजिये।

पाइय-भासाए तद्धितस्स दोण्हि उदाहरणाणि दाहि।

16. Decline the word ***'deva'***.

'**देव**' शब्द के रूप लिखिये।

'**देव**' त्ति सद्दस्स रूवं लिह।

17. Define ***kridanta*** and give two examples.
कृदन्त की परिभाषा दीजिये और कोई दो उदाहरण लिखिये।
कृदन्तस्स परिभासाा दाहि, दोण्हि उदाहरणाणि च लिहिह।

18. Define ***Ākāshadravya*** according to Jainism.
जैन दर्शन के अनुसार '***आकाशद्रव्य***' का लक्षण लिखिये।
जैनदंसणाणुसारेण '***आगासदव्वस्स***' लक्खणं लिहहि।

19. Translate the following into Prakrit :
निम्नलिखित का प्राकृत में अनुवाद कीजिये :
णिम्मलिहितस्स पाइये अणुवादं कर :

(i) प्राकृत की रचनाएँ मधुर होती हैं। (ii) सभी जीवों से मेरा मैत्रीभाव है।

20. Conjugate the root हो (भू) ho (bhu) in ***lat lkāra*** (present tense).
हो (भू) धातु के लट् लकार (वर्तमान काल) में रूप लिखिये।
हो (भू) धातुए लटलकारे रूवं लिह।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12-12) अंकों के (5) पाँच प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

नोट : अम्हि खंडे बारस-बारस (12-12) अंकाणं पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण दुसयेसु (200) सद्देसु अपेक्खिदमत्थि।

(12x5=60 अंका)

21. Explain with examples - "Apabhramsha Language is the mother of Modern Indian (Provincial) Languages".

''अपभ्रंश भाषा आधुनिक भारतीय (प्रान्तीय) भाषाओं की जननी है'', सोदाहरण समझाइये।

''अपब्भंस-भाषा आधुणिग-भारतीय (जणपदीय) भासाणं जणणी अत्थि'' त्ति सोदाहरणे फुडं कर।

22. Describe any three salient features of ***'Shouraseni Prakrit'***, give examples.

''***शौरसेनी प्राकृत***'' की प्रमुख तीन विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिये।

''***शौरसेणी पाइअस्स***'' ति-पमुहं वइसिट्ठं सोदाहरणं लिह।

23. Write a note on the Emperor ***Kharwel's*** rock edicts of ***Hathigumphā.***

सम्राट खारवेल के हाथीगुंफा शिलालेख पर एक टिप्पणी लिखिये।

सम्राट (समराउ) खारवेलस्स हाथीगुंफा सिलालेहोवरि एगा टिप्पणी लिह।

24. Describe the prescribed rules for "change of consonants" in Prakrit language, giving examples.

प्राकृत-भाषा में ''व्यञ्जन-परिवर्तन'' के नियमों को उदाहरण सहित समझाइये।

पाइयभाषाए ''व्यंजन-परिवर्तन'' णियमा सोदाहरणं लिह।

25. Explain the following verse with reference to the context :

निम्नलिखित गाथा की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिये :

णिम्मलिहिदाअ गाहाअ ससंदब्भं अत्थं वित्थेरण लिह :

चारित्तं खलु धम्मो, धम्मो जो सो समो त्ति णिद्दिट्ठो।
मोहक्खोहविहीणो परिणामो अप्पणो हु समो।।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. Answer all questions in Prakrit.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के उत्तर प्राकृत में दें।

(40x1=40 अंक)

नोट : अम्हि खंडे चत्तालीस (40) अंकाणं एगो णिबंधात्मगो पण्हो अत्थि, जस्स उत्तरं अहोलिहितेसु विसएसु कमवि-एगे पायेण सहस्स (1000) सद्देसु लेहणं अवेक्खिदमत्थि। सव्वणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(40x1=40 अंका)

26. Write an essay on the nature and kinds of Prakrit language.

प्राकृत भाषा के स्वरूप एवं प्रभेदों पर एक निबन्ध लिखिए।

पाइयभासाअ सरूवं भेदाणं उवरि एगो णिबंधं लिह

OR / अथवा / अहवा

Write on essay on ***any one*** of the following :

निम्नलिखित में से ***किसी एक*** पर निबन्ध लिखिये :

अहोलिहितेसु कमवि-एगे णिबंधं लिह :

(i) Naya / नय / णय

(ii) Kundakundacārya / कुन्दकुन्दाचार्य / कुन्दकुन्दायरियो

(iii) Prakrit and Jainism / प्राकृतभाषा एवं जैनदर्शन / पाइयभासा एवं जैन दंसनं

(iv) Nine Tatvas / नव-तत्त्व / नवतत्ताणि

(v) Inscriptional Prakrit Literature / प्राकृत शिलालेखीय साहित्य / पाइय सिलालेहीयसाहित्तं

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....